Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

स्वतंत्र भारत में राजनीति

अध्याय - 1

राष्ट्र निर्माण की चुनौतियाँ

भाग - 5

Satyaveer Yadav

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

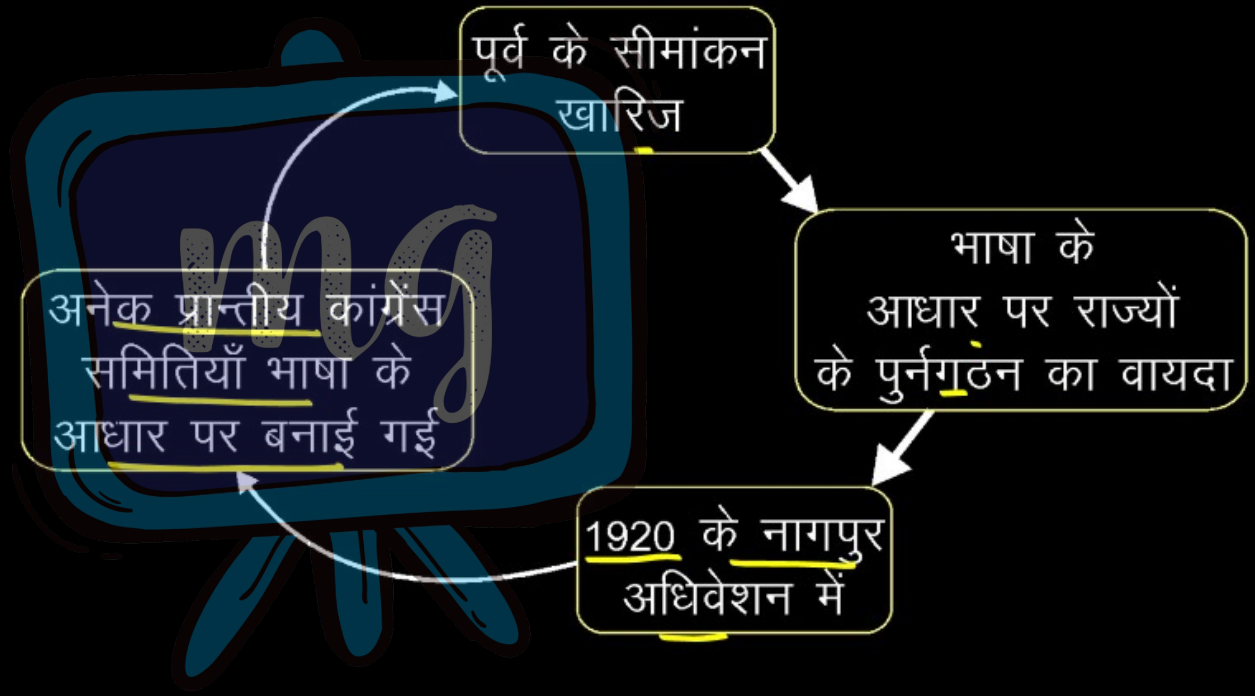
राज्यों का पुनर्गठन

1947

- बँटवारे और देशी रियासतों के विलय से समस्या खत्म नहीं।
- भारतीय प्रान्तों की आंतरिक सीमाओं को तय करना एक बड़ी चुनौती।
- प्रान्तों की सीमाओं को इस तरह तय करना कि – देश की भाषाई और सांस्कृतिक बहुलता की झलक मिलें।
- राष्ट्रीय एकता को बनाये रखना भी एक चुनौती।

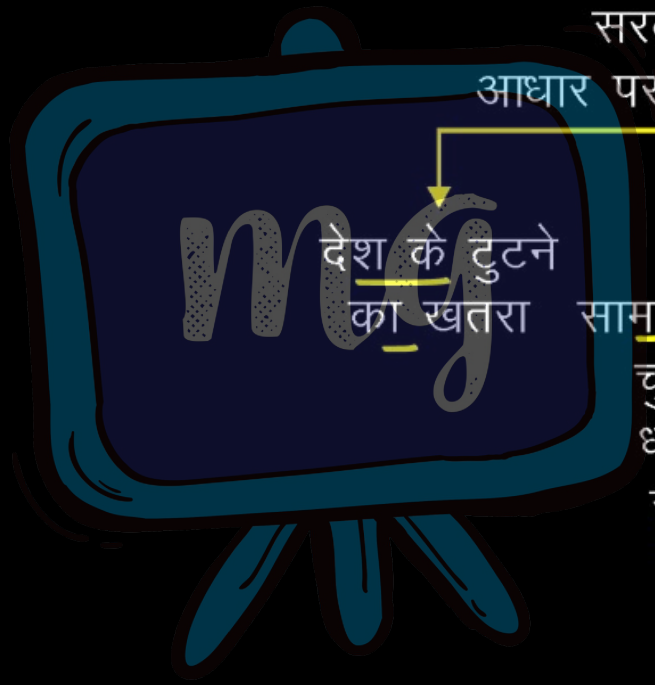
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



सरकार ने भाषा के आधार पर सीमांकन को नकारा

- देश के टुटने का खतरा
- दूसरी सामाजिक आर्थिक चुनौतियों से ध्यान भटक सकता है।
- बंटवारे की यादे ताजा
  - रजवाड़ो का मसला भी चल ही रहा था।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

01 oct-1953



Under CSR Support by
ipca | Foundation

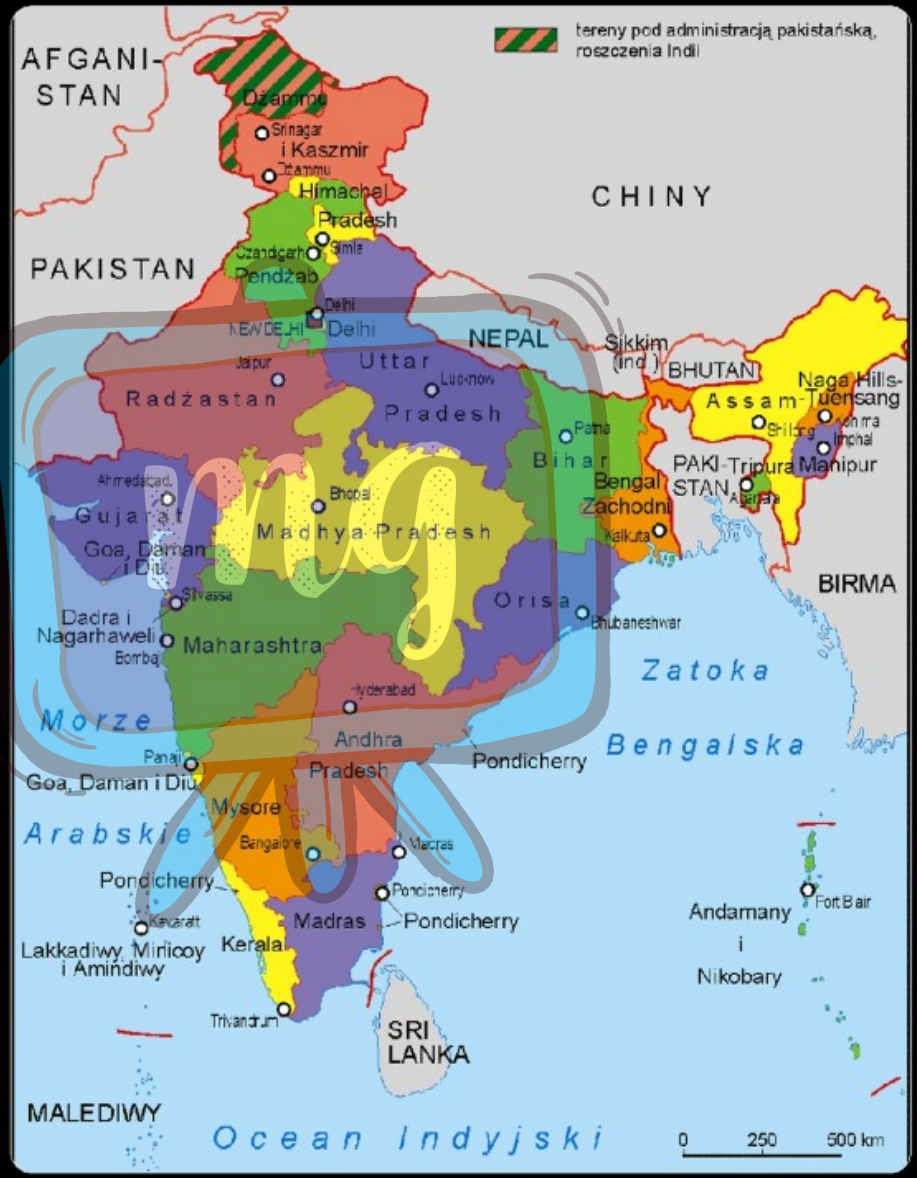
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- आन्ध्र प्रदेश के गठन के साथ ही अन्य हिस्सों में भी भाषाई आधार पर गठन की मांग।
- 1953 में राज्य पुनर्गठन आयोग बनाया गया।
- रिपोर्ट : राज्यों का गठन — भाषा के आधार पर
- रिपोर्ट के आधार पर 1956 में पुनर्गठन अधिनियम पारित।
- अधिनियम के आधार पर 14 राज्य और 6 केन्द्र-शासित प्रदेश बनाए गए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

1. भारत-विभाजन के बारे में निम्नलिखित कौन-सा कथन गलत है ?

क. भारत विभाजन ''द्वि राष्ट्र सिद्धान्त'' का परिणाम था।

ख. धर्म के आधार पर दो प्रान्तों-पंजाब और बंगाल का बँटवारा हुआ।

ग. पूर्वी पाकिस्तान और पश्चिमी पाकिस्तान में संगति नहीं थी।

घ. विभाजन की योजना में यह बात भी शामिल थी कि दोनों के बीच आबादी की अदला-बदली होगी।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

2. निम्नलिखित सिद्धान्तों के साथ उचित उदाहरणों का मेल करः

क. धर्म के आधार पर देश की सीमा का निर्धारण

ख. विभिन्न भाषाओं के आधार पर देश की सीमा का निर्धारण

ग. भौगोलिक आधार पर किसी देश के क्षेत्रों का सीमांकन

घ. किसी देश के भीतर प्रशासनिक और उत्तराखंड

1. पाकिस्तान और बांग्लादेश

2. भारत और पाकिस्तान

3. झारखंड और छत्तीसगढ़

4. हिमाचल प्रदेश और

उत्तर : क → 2, ख → 3, ग → 1, घ → 4

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

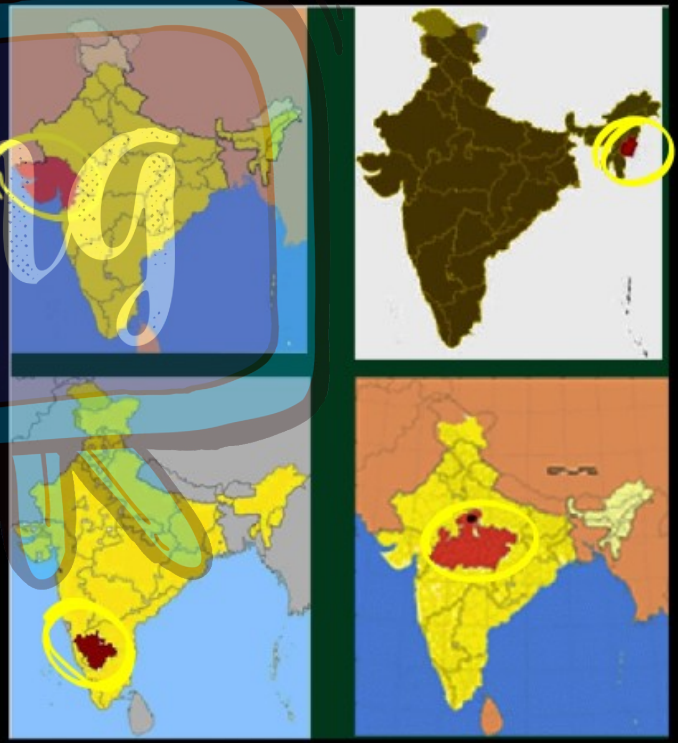
3. भारत का कोई समकालीन राजनीतिक नक्शा लीजिए (जिसमें राज्यों की सीमाएँ दिखाई गई हो) और नीचे लिखी रियासतों के स्थान चिह्नित कीजिए—

क. जूनागढ़

ख. मणिपुर

ग. मैसूर

घ. ग्वालियर



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

4. नीचे दो तरह की राय लिखी है:

विस्मय : रियासतों को भारतीय संघ में मिलाने से इन रियासतों की प्रजा तक लोकतंत्र का विस्तार हुआ।

इंद्रप्रीत : यह बात मै दावे के साथ नहीं कह सकता। इसमें बलप्रयोग भी हुआ था जबकि लोकतंत्र में आम सहमति से काम लिया लिया जाता है।

देशी रियासतों के विलय और ऊपर के मशविरे के आलोक में इस घटनाक्रम पर आपकी क्या राय है ?

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर : रियासतों को भारतीय संघ में मिलाने से लोकतंत्र का विस्तार

- जनता को स्वयं अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करने की आजादी।
- कुछ रियासतों में बल प्रयोग तात्कालिक परिस्थितियों में आवश्यक।
- भारतीय संघ में विलय के पश्चात् प्रत्येक रियासत में लोकतंत्र की स्थापना एवं जनता को अधिकार।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

5. नीचे 1947 के अगस्त के कुछ बयान दिए गए हैं जो अपनी प्रकृति में अत्यंत भिन्न है:

आज आपने अपने सर पर काँटों का ताज पहना है। सत्ता का आसन एक बुरी चीज है। इस आसन पर आपको बड़ा सचेत रहना होगा... आपको और ज्यादा विननम्र और धैर्यवान बनना होगा ... अब लगातार आपकी परीक्षा की जाएगी।

मोहनदास करमचन्द गाँधी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

... भारत आजादी की जिंदगी के लिए जागेगा.. हम पुराने से नए की ओर कदम बढ़ाएँगे ... आज दुर्भाग्य के एक दौर का खात्मा होगा और हिन्दुस्तान अपने को फिर से पा लेगा .... आज हम जो जश्न मना रहे हैं वह एक कदम भर है, संभावनाओं के द्वारा खुल रहे हैं ....

जवाहरलाल नेहरू

इन दो बयानों से राष्ट्र-निर्माण का जो एजेंडा ध्वनित होता है उसे लिखिए। आपको कौन-सा एजेंडा जँच रहा है और क्यों ?

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर : गाँधीजी के बयान में शासकों के पथ में आने वाली चुनौतियों से आगाह किया गया है। ये बयान एक शासक प्रशासक की जिम्मेदारी तय करता है।

प. नेहरू के बयान में स्वतंत्र भारत के सुंदर और समृद्धिशाली भविष्य के दर्शन हो रहे है। वे उत्साहित है आगीम नव संभावनाओं को लेकर।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

6. भारत को धर्मनिपेक्ष राष्ट्र बनाने के लिए नेहरू ने किन तर्कों का इस्तेमाल किया। क्या आपको लगता है कि ये केवल भावनात्मक और नैतिक तर्क हैं अथवा इनमें कोई तर्क युक्तिपरक भी है ?

उत्तर :

- प. नेहरू का दृष्टिकोण धर्मनिपेक्ष था।
- उन्होंने प्रथाओं और परम्पराओं का विरोध किया।
- धर्म और राजनीति को एक-दूसरे से अलग रखा।
- सभी धर्मों के समान व्यवहार के पक्षधर।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



धर्मनिरपेक्षता का अर्थ धर्महीनता न होकर सभी धर्मों के प्रति आदर भाव।

नेहरू जी ने कहा— मैं कोई धार्मिक व्यक्ति नहीं हूँ परन्तु मैं किसी वस्तु में विश्वास अवश्य करता हूँ जो मुनष्य को उसके सामान्य स्तर से ऊँचा उठाए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

7. आजादी के समय देश के पूर्वी और पश्चिमी इलाकों में राष्ट्र-निर्माण की चुनौती के लिहाज से दो मुख्य अंतर क्या थे ?

उत्तर :

- पूर्वी क्षेत्र में सांस्कृतिक एवं आर्थिक संतुलन की समस्या थी जबकि पश्चिमी क्षेत्र में विकास की चुनौती थी।
- पूर्वी क्षेत्र में भाषायी समस्या अधिक थी, जबकि पश्चिमी क्षेत्र में धार्मिक एवं जातिवादी समस्या अधिक थी।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

8. राज्य पुनर्गठने आयोग का काम क्या था ? इसकी प्रमुख सिफारिश क्या थी ?

उत्तर : राज्य पुनर्गठन आयोग का कार्य – राज्यों के सीमांकन के विषय पर गौर करना सिफारिश – भाषा के आधार पर हो राज्यों का सीमांकन।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

9. कहा जाता है कि राष्ट्र एक व्यापक अर्थ में 'कल्पित समुदाय' होता है और सर्वसामान्य विश्वास, इतिहास, राजनीतिक आकांक्षा और कल्पनाओं से एकसूत्र में बँधा होता है। उन विशेषताओं की पहचान करें जिनके आधार पर भारत एक राष्ट्र है।

उत्तर : भारतीय राष्ट्र की निम्नलिखित विशेषताएँ—

1. भौगोलिक एकता
2. सामान्य हित
3. मातृभूमि
4. इतिहास
5. लोक इच्छा
6. सामान्य राजनीतिक आकाक्षाएँ

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

10. नीचे लिखे अवतरण को पढ़िए और इसके आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

राष्ट्र-निर्माण के इतिहास के लिहाज से सिर्फ सोवियत संघ में हुए प्रयोगों की तुलना भारत से की जा सकती है। सोवियत संघ में भी विभिन्न और परस्पर अलग-अलग जातीय समूह, धर्म, भाषाई समुदाय और सामाजिक वर्गों के बीच एकता का भाव कायम करना पड़ा। जिस पैमाने पर यह काम हुआ, चाहे भौगोलिक पैमाने के लिहाज से देखें या जनसंख्यागत वैविध्य के लिहाज से, वह अपनेआप में बहुत व्यापक कहा जाएगा। दोनों ही जगह राज्य को जिस कच्ची सामग्री से राष्ट्र-निर्माण की शुरुआत करनी थी वह समान रूप से दुष्कर थी। लोग धर्म के आधार पर बँटे हुए और कर्ज तथा बीमारी से दबे हुए थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

(क) यहाँ लेखक ने भारत और सोवियत संघ के बीच जिन समानताओं का उल्लेख किया है, उनकी एक सूची बनाइए। इनमें से प्रत्येक के लिए भारत से एक उदाहरण दीजिए।

(ख) लेखक ने यहाँ भारत और सोवियत संघ में चली राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रियाओं के बीच की असमानता का उल्लेख नहीं किया है। क्या आप दो असमानताएँ बता सकते हैं?

(ग) अगर पीछे मुड़कर देखें तो आप क्या पाते हैं? राष्ट्र-निर्माण के इन दो प्रयोगों में किसने बेहतर काम किया और क्यों?

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर :

क. सोवियत संघ में भी भारत की तरह जातीय समूह धर्म, भाषाई समुदाय और सामाजिक वर्गों में एकता का भाव पाया जाता है।

ख. सोवियत संघ में साम्यवादी आधार पर राष्ट्र निर्माण हुआ, जबकि भारत में लोकतांत्रिक समाजवादी आधार पर राष्ट्र निर्माण हुआ।

ग. भारत में राष्ट्र निर्माण के प्रयोग सफल रहे, क्योंकि 1991 में सोवियत संघ के विघटन ने उसके राष्ट्र निर्माण के प्रयोग पर प्रश्न चिह्न लगा दिया।